आगरा-आर्ट गैलरी म्यूजियम(उ.प्र.)। नमो युवा रन- नशा मुक्त भारत अभियान,सेवा पखवाड़ा 2025, में उत्तरप्रदेश उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मधु दीदी। साथ हैं ब्र.कु. माला, ब्र.कु. संगीता, पूर्व प्रधान ब्र.कु. विजेन्द्र तथा अन्य।

नई दिल्ली-हरि नगर। केन्द्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा से स्नेह मुलाकात पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. ज्योति व ब्र.कु. प्रतिभा।

मेरठ-उ.प्र.। संसद सदस्य,राज्यसभा लक्ष्मीकांत बाजपेयी व उनकी पुत्री डॉ. मधु बाजपेयी से उनके आवास पर स्नेह भरी मुलाकात के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. आरती एवं ब्र.कु. बृजेश।

भरतपुर-कठूमर(राज.)। नवरात्रि के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित "चैतन्य दिव्य अलौकिक झाँकी" का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करने के पश्चात् समूह चित्र में विधायक रमेश खींची, नगर पालिका अध्यक्ष शेर सिंह, भाजपा कार्यकर्ता गोपेश शर्मा, ब्र.कु. हीरा बहन, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. राधा, सुशील बजाज, राजा बाबू तथा अन्य।

हिसार-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा नशा मुक्ति, स्वास्थ्य एवं बुजुर्गों के सम्मान हेतु सेमिनार में नशा मुक्ति एवं स्वदेशी वस्तुएं अपनाने की शपथ दिलाते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रमेश दीदी, ब्र.कु. अनीता, ब्र.कु. अंतिमा, ब्र.कु. नीरज तथा अन्य चिकित्सक। मौके पर उपस्थित रहे डॉ. सुजाता,कैंसर रोग विशेषज्ञ, डॉ. मोनिका, डॉ. अमिता, डॉ. अंकुर कामरा,हृदय रोग विशेषज्ञ तथा अन्य।

गया-बिहार। दीपावली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी, चार एसोसिएशन के सेक्रेटरी रविन्द्र प्रसाद एवं प्रतिष्ठित व्यापारी प्रदीप जैन।

अनुभव

यहाँ से मुस्कुराने की सीख लेकर जायें...

शिवयोगी श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ. यमुना पुरी जी महाराज

मेरे कहने से एक चीज़ ज़रूर सीख करके चले जाना कि यहाँ से हम स्थूल सौगात लेकर जायें या न जायें लेकिन यहाँ से 'एक मुस्कुराहट की सौगात' ज़रूर ले जायें। यहाँ प्रतिपल जैसे मुस्कुराते हो आप सदा मुस्कुराते रहना। क्योंकि मुस्कुरा के जिसको गम का ज़हर पीना आ गया, यह हकीकत है जहां में उसको जीना आ गया। ज़िंदगी जीनी है तो प्रत्येक परिस्थिति में मुस्कुराइए, आनंद लीजिए। यह मैंने ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थान में आयोजित 'संत सम्मेलन' में देखा, अनुभव किया। ये कहना है शिवयोगी श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ. यमुना पुरी जी महाराज का जिनके अनुभव के कुछ अंश यहाँ प्रस्तुत हैं...

बोलते हुए 38 वर्ष बीत गए मुझे, लेकिन यहाँ बोलने से ज़्यादा सुनने में आनंद आ रहा है। और जो प्रवक्ता होते हैं ना वो जल्दी किसी की सुनते नहीं हैं। और मजे की बात यह है कि यहाँ सुनने का आनंद आ रहा है।

एक बात मैं आपको निवेदन कर दूं कोई मंगलाचरण नहीं, कोई सम्बोधन नहीं। 1000 बुद्ध एक साथ बैठ करके कहीं साधना करें जैसी शांति 1000 बुद्धों की साधना से होनी चाहिए, वैसी शांति इस शांतिवन में आकर के प्राप्त होती है। विश्व भर में करीब-करीब दस हज़ार धर्म सम्प्रदाय प्रकट हुए, आप मेरी बात को अन्यथा नहीं लेना पुरूष वर्ग, लेकिन सभी सम्प्रदाय और सभी धर्म पुरूष प्रधान रहे हैं। यह संगठन ऐसा है जो महिला प्रधान है। आपको मैं निवेदन करूं, मुझे निराकार और साकार में नहीं जाना। लेकिन आपने भगवान श्री राम के हज़ारों मंदिर देखे होंगे लेकिन विश्वास कीजिए राम के साथ रावण का मंदिर मिलने वाला नहीं है। भगवान कृष्ण के हज़ारों मंदिर देखे होंगे लेकिन कृष्ण के साथ कंस का मंदिर मिलने वाला नहीं है। भगवान राम ने रावण को मारा मगर पूजनीय नहीं बना पाए। भगवान कृष्ण ने कंस को मारा मगर पूजनीय नहीं बना पाए। हमारे हिंदू सनातन धर्म में माँ भगवती दुर्गा ऐसी हैं जिन्होंने भैरव को मारा लेकिन भैरव के हज़ारों मंदिर भी बनवा दिए। मतलब क्या है कि माँ अगर किसी को मारती है तो भी पूजनीय बना देती है। ये ब्रह्माकुमारी संगठन भी ऐसा है ये आपको सुधार करके आपके जीवन में परिवर्तन ले आता है।

और मैं आपको निवेदन करूं हज़ारों सम्प्रदाय हैं सबने अपनी-अपनी बात प्रतिपादित की, किसी ने किसी देवता को प्रतिपादित किया, किसी ने निराकार को स्वीकारा, किसी ने साकार को स्वीकारा। लेकिन यह ब्रह्माकुमारी संगठन ऐसा है जिसने आज तक किसी का खंडन नहीं किया। सबकी पुष्टि जहाँ होती है वो ये संगठन है।

मैं आपको निवेदन करूं यह जो हैदराबाद सिंध प्रांत से चला हुआ ये जो विशिष्ट संगठन है, आप सब तो जानते ही होंगे अंग्रेजों को भी जिसके विषय में विचार करना पड़ा था। किसी और सम्प्रदाय को बैन नहीं कर पाए थे। लेकिन इस संगठन की बात मैकाले के कहने पर कहा कि अगर यह पूरे विश्व में ये शांति का धर्म फैल गया तो फिर अंग्रेजों का शासन, उनका कपट चलने वाला नहीं है। मैं आपको निवेदन यह करना चाहता हूँ कि यह जो संगठन 1960 के बाद चला, अगर 100-200 वर्ष पहले चला होता तो ना आपके भारत को फौज की ज़रूरत थी, ना आपके भारत को पुलिस की ज़रूरत थी, ना आपके भारत को अदालत की ज़रूरत थी। मजे की बात देखिए कि जो पूरे विश्व को शांति का संदेश देता है, उसी भारत में आज हिंदू-मुस्लिम के नाम पर कितना उपद्रव हो रहा है। विचार कीजिए अगर यह विश्व शांति का संदेश आबू से पूरे भारत में पहुंच जाए तो क्या कहीं पर झगड़ा होगा हिंदू-मुस्लिम का? आप सब लोगों को निवेदन यह कर दूं कि यहाँ से और कुछ सीख करके जाना या ना जाना वो मुझे नहीं पता। वह आपका व्यक्तिगत विषय है। मेरे कहने से एक चीज़ ज़रूर सीख करके चले जाना कि यहाँ से हम स्थूल सौगात लेकर जायें या न जायें लेकिन यहाँ से एक मुस्कुराहट की सौगात ज़रूर ले जाना। यहाँ प्रतिपल जैसे मुस्कुराते हो आप सदा मुस्कुराते रहना। क्योंकि मुस्कुरा के जिसको गम का ज़हर पीना आ गया, यह हकीकत है जहां में उसको जीना आ गया। ज़िंदगी जीनी है तो प्रत्येक परिस्थिति में मुस्कुराइए, आनंद लीजिए।

दिल्ली-बृजपुरी। नंद नगरी डिपो में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' कार्यक्रम के पश्चात् नंद नगरी डिपो के अध्यक्ष मुकेश शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कविता। साथ हैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के यातायात प्रभाग उपाध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. सुरेश शर्मा,माउंट आबू तथा अन्य ब्रह्माकुमार भाई।

केशव नगर-कानपुर(उ.प्र.)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु के प्लैनिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर विभाग के डीन प्रो. एसके सतीश व उनकी धर्मपत्नी के सेवाकेन्द्र आगमन पर उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शशि दीदी,बर्रा व स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता।

आनंद सगेवर-सिरसा(हरियाणा)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता गोविंद कांडा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए कथा व्यास राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी,कटनी,म.प्र. व स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बिन्दु।

राँची-रामगढ़ कैंट(झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'संगम गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. सरिता, आजसू बुद्धिजीवी मंच केन्द्रीय कमेटी के महामंत्री महेन्द्र मोदी, विन्सेंट पब्लिक स्कूल,बिंझर के प्रशासक आर. प्रसाद एवं डीएवी अग्रसेन भरेच नगर के सेवानिवृत्त रसायन शास्त्र शिक्षक एएन पाठक।